दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

1
दोआबा रिपोर्टर
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985
News Portal.www.doabareporter.com | doabareporter.com | शनिवार, 14 अगस्त 2021 | 7009010789 - 94175-85949

नवजोत सिंह सिद्धू ने बुलाई बैठक

कैप्टन अमरिंदर सिंह और समर्थक मंत्री नहीं पहुंचे

13 नगर निगम क्षेत्रों के सभी विधायकों की बैठक पंजाब कांग्रेस भवन में बुलाई थी

चंडीगढ़– पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने 13 नगर निगम क्षेत्रों के सभी विधायकों की बैठक पंजाब कांग्रेस भवन में बुलाई थी। लेकिन कैप्टन अमरिंदर सिंह इस बैठक में नहीं पहुंचे। वह पटियाला नगर निगम क्षेत्र से विधायक हैं। इसके अलावा कैप्टन समर्थक मंत्रियों ने भी इसमें रुचि नहीं दिखाई। एजैंडा तय न होने की वजह से बैठक फ्लाप शो साबित हुई। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू द्वारा शुक्रवार को 13 नगर निगम क्षेत्रों के कांग्रेस विधायकों की बुलाई गई बैठक फ्लाप-शो बन कर रह गई। सिद्धू ने पटियाला नगर निगम क्षेत्र के विधायक और मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को भी बैठक में बुलाया था लेकिन न तो सीएम पहुंचे और न उनके समर्थक मंत्रियों ने ही बैठक में कोई रुचि दिखाई। कैबिनेट मंत्री ब्रह्म मोहिंदरा, मनप्रीत सिंह बादल और ओपी सोनी बैठक में हिस्सा लेने नहीं पहुंचे, जबकि बलबीर सिंह सिद्धू कुछ ही मिनट में बैठक छोड़कर चले गए। चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस भवन में शुक्रवार को यह बैठक 11 बजे बुलाई गई थी लेकिन नवजोत सिद्धू ही करीब सवा घंटा देरी से पहुंचे। बैठक में कैबिनेट मंत्री भारत भूषण आशू, शाम सुंदर अरोड़ा, कुलजीत सिंह नागरा, के अलावा राजिंदर बेरी, अमित विज, परगट सिंह और अश्विनी सेखड़ी समेत करीब दर्जन भर विधायक ही उपस्थित रहे। बैठक फ्लाप होने का मुख्य कारण यह रहा कि पार्टी प्रधान ने आनन-फानन बुलाई बैठक का कोई एजेंडा ही तय नहीं किया था।

बैठक में पहुंचे किसी भी मंत्री और विधायक को यह मालूम नहीं था कि बैठक किस उद्देश्य या एजेंडे पर चर्चा के लिए बुलाई गई है। पार्टी प्रधान सिद्धू ने स्थिति संभालने का प्रयास करते हुए बताया कि विधानसभा चुनाव-2022 की तैयारियों पर चर्चा होगी। लेकिन बैठक के दौरान घोषित एजेंडे के बारे में कोई भी विधायक तैयारी करके नहीं पहुंचा था और पूरी बैठक हल्की-फुल्की चर्चा तक सिमट कर रह गई।

दिल्ली में हाई अलर्ट- खालिस्तानी समर्थक कर सकते हैं गड़बड़ी

जगह-जगह सघन तलाशी अभियान कर दिया गया है शुरू

नई दिल्ली - 75वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिल्ली से जम्मू-कश्मीर तक आतंकी हमले के इनपुट मिले हैं। खुफिया विभाग ने दिल्ली पुलिस को इनपुट दिए हैं और खालिस्तान समर्थकों के इरादे साफ किए हैं। खालिस्तानी समर्थक 15 अगस्त वाले दिन या उससे पहले दिल्ली व पंजाब में ऐतिहासिक इमारतों समेत अन्य जगहों पर खालिस्तानी झंडा फहरा सकते हैं या फिर कोई और गड़बड़ी फैला सकते हैं। इसे देखते हुए राजधानी में सुरक्षा चाक-चौबंद कर दी गई है। जगह-जगह तलाशी अभियान सघन शुरू कर दिया गया है। देश के खिलाफ विभाग ने शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को ये इनपुट दिए हैं। इन इनपुट के लेकर खुफिया विभाग अलर्ट हो गया है। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली में सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस के सीनियर पुलिस अधिकारी जूनियर अधिकारियों को ब्रीफिंग के दौरान खालिस्तानी इनपुट के बारे में जानकारी देने दे रहे हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने

बताया कि खुफिया विभाग ने शुक्रवार सुबह इनपुट दिए हैं कि खालिस्तान किसानों को भड़का कर कहीं भी उग्र प्रदर्शन कर सकते हैं। इस दौरान खालिस्तान समर्थक ऐतिहासिक इमारत या फिर गुरुद्वारे समेत धार्मिक स्थलों पर अपना झंडा पहरा सकते हैं। खुफिया अलर्ट में कहा गया है कि खालिस्तान 14 अगस्त की रात 12 बजे से लेकर 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान या फिर स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम के बाद झंडा फहराने के साथ किसी भी तरह की गड़बड़ी फैला सकते हैं। 15 अगस्त वाले दिन लाल किले पर कार्यक्रम होने के बाद भी खालिस्तान समर्थक गड़बड़ी या फिर कहीं भी झंडा फहरा सकते हैं। लाल किले पर कार्यक्रम होने के बाद दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था ढीली हो जाती है। गौरतलब है कि 26 जनवरी को किसानों के एक समूह ने लाल किले की प्राचीर पर धार्मिक झंडा फहरा कर देश का अपमान कर चुके है। झंडा फहरा कर खालिस्तानी समर्थक मीडिया को सूचना देकर मौके पर भी बुलाएंगे।

दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

दोआबा रिपोर्टर

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985

News Portal.www.doabareporter.com | doabareporter.com | शनिवार, 14 अगस्त 2021 | 7009010789 - 94175-85949

NCPCR ने फेसबुक व इंस्टाग्राम को चिट्ठी लिख कहा कि उनके प्लेटफार्म पर पड़ी पोस्ट पीड़िता की पहचान को कर रही है उजागर

ट्विटर के बाद अब राहुल के फेसबुक और इंस्टाग्राम अकॉऊंट पर गिरेगी गाज!

पहले ट्विटर ने उनके विरुद्ध कार्रवाई की और अब फेसबुक व इंस्टाग्राम को भी इस संबंध में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने पत्र लिखा है

दिल्ली कैंट के नांगला इलाके में 9 साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म मामले में पीड़िता के परिजनों की तस्वीर रिवील करने पर कॉन्ग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रहीं। पहले ट्विटर ने उनके विरुद्ध कार्रवाई की और अब फेसबुक व इंस्टाग्राम को भी इस संबंध में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने पत्र लिखा है। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करने को लेकर NCPCR ने कार्रवाई करने की मांग की है। इसमें कथिततौर पर नाबालिग पीड़िता के परिवार की पहचान का खुलासा हो रहा था, जो कि पॉक्सो एक्ट के विरुद्ध है। इसी पर आयोग ने संज्ञान लिया और Facebook व Instagram को पत्र भी लिखा। NCPCR ने फेसबुक व इंस्टाग्राम को चिट्ठी लिखते हुए कहा है कि उनके प्लेटफार्म पर पड़ी राहुल गांधी की पोस्ट बलात्कार पीड़िता की पहचान को उजागर कर रही है और भारतीय कानूनों का उल्लंघन कर रही है, इसीलिए उसे प्लेटफॉर्म से हटाया जाए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले कॉन्ग्रेस नेता राहुल गाँधी ने ऐसे ही तस्वीरें ट्विटर पर शेयर की थी, जिसके बाद राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग (NCPCR) ने मामले में संज्ञान लेते हुए ट्विटर को राहुल के खिलाफ एक्शन लेने को कहा था। इसके बाद ट्विटर ने राहुल गांधी के अकाउऊंट को लॉक कर दिया था। साथ में ट्विटर प्रवक्ता ने इस मामले में कहा था कि वह आपत्तिजनक कंटेट को हटाने के बाद इन अकाउंट्स को दोबारा चालू कर देंगे। हालांकि, कॉन्ग्रेस के सोशल मीडिया हेड रोहन गुप्ता ने ट्विटर पर सरकार के दबाव में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इसने पूरे भारत में उनके नेताओं और कार्यकर्ताओं के 5,000 अकाउंट को पहले ही ब्लॉक कर दिया है। उन्होंने कहा कि ट्विटर को यह समझने की जरूरत है कि ट्विटर या सरकार द्वारा उन पर दबाव नहीं डाला जा सकता है।बता दें कि ट्विटर की यह कार्रवाई केवल राहुल गाँधी के विरुद्ध नहीं हुई थी बल्कि कॉन्ग्रेस पार्टी के आधिकारिक अकॉऊंट को भी लॉक किया गया था।

हजारों फर्जी Voter ID Cards बनाने के आरोप में गिरफ्तार

निर्वाचन आयोग की वैबसाइट हैक कर दिया वारदात को अंजाम

सहारनपुर (उप्र)- भारत के निर्वाचन आयोग की वेबसाइट हैक करने और दस हजार से अधिक फर्जी मतदाता पहचान पत्र बनाने के आरोप में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले से एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी शुक्रवार को अधिकारियों ने दी। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसका डाटाबेस ''पूरी तरह सुरक्षित'' है। सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एस. चेन्नपा ने बताया कि आरोपी विपुल सैनी ने यहां के नकुड़ इलाके में अपनी कम्प्यूटर की दुकान में कथित तौर पर हजारों की संख्या में मतदाता पहचान पत्र बनाए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सैनी आयोग की वेबसाइट में उसी पासवर्ड के जरिए लॉगइन करता था, जिसका इस्तेमाल आयोग के अधिकारी करते थे। आयोग को कुछ गड़बड़ी का अंदेशा हुआ और उसने जांच एजेंसियों को इसकी जानकारी दी। एजेंसियों की जांच के दौरान सैनी शक के दायरे में आया और उन्होंने सहारनपुर पुलिस को सैनी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूछताछ में सैनी ने बताया कि वह मध्य प्रदेश के हरदा निवासी अरमान मलिक के इशारे पर काम कर रहा था और उसने तीन माह में दस हजार से ज्यादा फर्जी मतदाता पहचान

पत्र बना लिए थे। साइबर सेल और सहारनपुर अपराध शाखा के संयुक्त दल ने बृहस्पतिवार को सैनी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक चेन्नपा ने बताया कि जांच में सैनी के बैंक खाते में 60 लाख रुपये पाए गए, जिसके बाद खाते से लेनदेन पर तत्काल रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि सैनी के खाते में इतनी रकम कहां से आई इसकी जांच की जाएगी। निर्वाचन आयोग के एक प्रवक्ता ने दिल्ली में कहा कि सहायक मतदाता सूची अधिकारी (एईआरओ) नागरिकों को सेवा प्रदान करते हैं और मतदाता पहचान पत्र की प्रिंटिंग और समय पर वितरण की जिम्मेदारी उनकी होती है। प्रवक्ता ने कहा, ''एईआरओ कार्यालय के एक डाटा एंट्री ऑपरेटर ने अवैध रूप से अपना आईडी एवं पासवर्ड सहारनपुर के नकुड़ में एक निजी अनधिकृत सेवा प्रदाता को दी, ताकि वह कुछ वोटर कार्ड छाप सके।'' प्रवक्ता ने कहा, ''दोनों व्यक्ति गिरफ्तार हो चुके हैं।'' उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग का डाटाबेस ''पूरी तरह सुरक्षित'' है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पूछताछ में सैनी ने बताया कि एक पहचान पत्र के एवज में उसे 100 से 200 रुपए मिलते थे। उसके घर से पुलिस ने दो कम्प्यूटर भी जब्त किए हैं। जांच एजेन्सी उसे अदालत में पेश करके उसकी न्यायिक हिरासत का अनुरोध करेगी। उन्होंने बताया कि सैनी के पिता किसान हैं। सैनी ने सहारनपुर जिले के एक कॉलेज से बीसीए किया है। उन्होंने बताया कि इस बात की भी जांच की जाएगी कि क्या उसके संबंध राष्ट्र विरोधी या आतंकवादी ताकतों से भी हैं।

दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

दोआबा रिपोर्टर

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985

News Portal.www.doabareporter.com | doabareporter.com | शनिवार, 14 अगस्त 2021 | 7009010789 - 94175-85949

SII चेयरमैन साइरस पूनावाला ने की मोदी सरकार की प्रशंसा

'पहले नौकरशाहों के पैरों में गिरना पड़ता था', अब नहीं चलती 'मस्का पॉलिश'

अपनी स्वर्गवासी पत्नी को अपना अवॉर्ड समर्पित करते हुए पूनावाला ने कहा कि 1966 में जब SII की स्थापना हुई थी तब अफसरों की अनुमति के साथ मूलभूत आवश्यकताओं के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था

वैक्सीन इंडस्ट्री द्वारा पूर्व में झेले गए लालफीताशाही व्यवस्था और ड्रग कंट्रोलर के उत्पीड़न को याद करते हुए सीरम इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया (SII) के चेयरमैन डा. साइरस पूनावाला ने मोदी सरकार की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि परिस्थितियाँ बदल गई हैं और अफसरशाही अब वर्तमान सरकार के कानूनों के मुताबिक काम कर रही है। शुक्रवार (13 अगस्त 2021) को पूनावाला, पुणे के तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में उन्हें लोकमान्य तिलक ट्रस्ट द्वारा लोकमान्य तिलक नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए पूनावाला ने कहा कि आज से 50 साल पहले वैक्सीन इंडस्ट्री को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने बताया कि लालफीताशाही इस सीमा तक हावी थी कि अनुमति लेने के लिए अफसरों और ड्रग कंट्रोलर के पैरों में गिरना पड़ता था। अपनी स्वर्गवासी पत्नी को अपना अवॉर्ड समर्पित करते हुए पूनावाला ने कहा कि 1966 में जब स्ढ्ढु की स्थापना हुई थी तब अफसरों की अनुमति के साथ, बिजली और पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। हालाँकि, उन्होंने बताया कि आज परिस्थितियाँ बदल चुकी हैं और सरकार के द्वारा समय पर अनुमति के साथ पर्याप्त सहयोग भी मिल रहा है। मोदी सरकार की प्रशंसा करते हुए पूनावाला ने कि लालफीताशाही और लाइसेंसराज अब मोदी सरकार के कानूनों के अंदर आ चुके हैं और इसी बदलाव का परिणाम है कि स्ढ्ढु की ष्टश्1द्वस्र-19 वैक्सीन 'कोविशील्ड' शीघ्रता से लॉन्च हो सकी। उन्होंने कहा कि परिवहन और संचार भी बड़ी चुनौती हुआ करते थे और उन्हें खुद अफसरों और ड्रग कंट्रोलर्स के पैरों में गिरना पड़ा था, लेकिन अब एक ऐसा ड्रग कंट्रोलर है जो ऑफिस खत्म होने के बाद भी काम करने के लिए तैयार रहता है और तुरंत प्रतिक्रिया भी देता है। पूनावाला ने कहा कि अब 'मस्का पॉलिश' का जमाना नहीं रहा। ज्ञात हो कि स्ढ्ढु की स्थापना साइरस पूनावाला ने ही की थी। यह दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन निर्माता कंपनी है, जो वर्तमान में एस्ट्राजेनेका की Covid-19 वैक्सीन 'कोविशील्ड' का निर्माण कर रही है। स्ढ्ढु के द्वारा बनाई जाने वाली यह डबल डोज वैक्सीन भारत में 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को लगाई जा रही है।

सिंह राशि वाले आज आर्थिक मामलों के प्रति रहें सतर्क

आज श्रावणशुक्ल पक्ष की उदयातिथि षष्ठी और शनिवार का दिन है। षष्ठी तिथि आज सुबह 11 बजकर 50 मिनट तक रहेगी। आज सुबह 11 बजकर 13 मिनट तक शुभ योग रहेगा। उसके बाद शुक्ल योग लग जायेगा। साथ ही आज पूरा दिन पूरी रात पार कर कल सुबह 5 बजकर 44 मिनट तक स्वाती नक्षत्र रहेगा।

मेष-आज राजनीति से जुड़ें लोगों का सामाजिक स्तर पर रूतबा बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र को बढ़ाने के लिए किसी मित्र से आर्थिक मदद मिलेगी। ऑफिस में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी, प्रमोशन के योग भी बन रहे हैं।

वृष-आज किसी दूसरे की ज्यादा आलोचना करने से आपको बचना चाहिए, नहीं तो परिस्थितियां आपके विपरीत बनेगी। आज आपके लिए कोई फैसला करना कठिन होगा। शाम को माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जाएंगे। दवाईयों के व्यापार में आपको उम्मीद से अधिक लाभ होगा।

मिथुन-आज आप अपने डेली रूटीन में बदलाव करने की कोशिश करेंगे, जिससे आपको फायदा होगा। सोशल साईंस के स्टूडेंट्स के लिए दिन बढ़िया रहने वाला है, आपको करियर में सफलता मिलेगी। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर घर खरिदने की प्लानिंग करेंगे।

कर्क-आज आप काम के प्रति बेहद एक्टिव रहेंगे। आप खुद को

ताजगी से भरा हुआ महसूस करेंगे। जरूरतमंद की मदद के लिए आप हर संभव कोशिश करेंगे। आपका पॉजिटिव व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा।

सिंह-आज आज आर्थिक मामलों को लेकर आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। अगर आप नौकरीपेशा वाले हैं, तो आप जॉब चेंज करने का मन बनाएंगे। आज आपका खुशमिजाज व्यवहार लोगों को आपकी ओर आकर्षित करेगा। कोट कचहरी से रिलेटिड रूके हुए काम किसी दोस्त की मदद से पूरे हो जाएंगे।

कन्या-आज आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपसी विश्वास और सहजता के सहारे आपके रिश्तों में मजबूती आएगी।

तुला- आपके चुलबुले व्यवहार सेलोग प्रभावित होंगे। आज आपको किसी अच्छी कंपनी में काम करने का ऑफर मिल सकता है।

वृश्चिक-आज खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज नए व्यवसाय शुरू करने के अवसर मिलेंगे। जियोग्राफी स्टूडेंट्स के लिए दिन बेहतर रहने वाला है।

धनु -आज आप किसी नये काम की शुरूआत करने पर परिवार के सभी सदस्य आपसे खुश होंगे। किसी रुके हुए काम में सहायता मिलने से आपको राहत महसूस होगी। सफलता के नए मार्ग खुलेंगे कुछ घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है।

मकर-आज किसी काम को करते समय आपको अपने मन को शांत रखना चाहिए। आज पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर लेने चाहिए।

कुंभ-आज किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। लवमेट के लिए दिन खास रहने वाला है।

मीन-आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने में सफल होंगे। बिजनेसमैन के लिए आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है।

दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

4
दोआबा रिपोर्टर
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985
News Portal.www.doabareporter.com | doabareporter.com | शनिवार, 14 अगस्त 2021 | 7009010789 - 94175-85949

विदिशा विजय मंदिर-औरंगजेब ने जिसे उड़वाया तोपों से

अब उसी डिजाइन वाली संसद में बैठेंगे सभी धर्मों के सांसद

1922 के समय मुस्लिमों द्वारा यहां नमाज पढ़नी शुरू कर दी गई, हिन्दुओं द्वारा की जाने वाली पूजा का विरोध प्रारंभ हो गया। जिसके बाद विजय मंदिर को सरकारी नियंत्रण में ले लिया गया और मुस्लिमों के लिए एक नई ईदगाह बनवाई गई

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से लगभग 60 किलोमीटर (किमी) दूर स्थित है विदिशा। यहां एक ऐसा ही हिन्दू धर्म स्थल है, जो लोगों के लिए पर्यटन का स्थान बन कर रह गया है लेकिन वास्तविकता में प्राचीन काल में यह भारत के विशालतम मंदिरों में से एक था। हम बात कर रहे हैं, विदिशा के विजय मंदिर की, जिसकी विशालता के कारण मुगल आक्रांता औरंगजेब ने इसे तोप से उड़वा दिया था। लेकिन अनेकों इस्लामी आक्रमणों के बाद आज भी मंदिर के अवशेष बचे हुए हैं और आश्चर्य की बात यह है कि सेन्ट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बनने वाली नई भारतीय संसद की बनावट बिल्कुल इस मंदिर के समान ही है। दरअसल विदिशा का विजय मंदिर सूर्य भगवान को समर्पित था। चालुक्य राजाओं ने अपनी शौर्यपूर्ण विजय को अमर बनाने के लिए विजय मंदिर का निर्माण कराया था। चूँकि चालुक्य वंशी राजा स्वयं को सूर्यवंशी मानते थे, ऐसे में उन्होंने यह विशाल मंदिर सूर्य भगवान को समर्पित किया। मंदिर के निर्माण का श्रेय चालुक्यवंशी राजा कृष्ण के प्रधानमंत्री वाचस्पति को जाता है। इसके बाद 10वीं-11वीं शताब्दी के दौरान परमार शासकों द्वारा मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया। हालाँकि मंदिर ने कई बार इस्लामी आक्रमण भी झेला, जिसके कारण मंदिर क्षतिग्रस्त भी हुआ। ऐसे में मराठा शासकों के द्वारा भी मंदिर में जीर्णोद्धार कराए जाने के प्रमाण मिलते हैं।

इस्लामी आक्रमण का इतिहास

विदिशा के इस विशाल विजय मंदिर ने एक बार नहीं बल्कि अनेकों बार इस्लामी आक्रमणों का सामना किया लेकिन फिर भी मुस्लिम कट्टरपंथी इस मंदिर की पहचान को नष्ट नहीं कर पाए। इतिहासकार निरंजन वर्मा के अनुसार सबसे पहले मंदिर में सन् 1233-34 के दौरान इस्लामी आक्रमण हुआ। दिल्ली के शाह मोहम्मद गौरी के गुलाम अल्तमश ने मंदिर और यहाँ स्थापित प्रतिमाओं को तोड़ दिया। लेकिन सन् 1250 के दौरान इसका पुनर्निर्माण किया गया। इसके बाद यह मंदिर सन् 1290 में अलाउद्दीन खिलजी और सन् 1459-60 के समय महमूद खिलजी के कट्टरपंथ का निशाना बना। सन् 1532 में बहादुरशाह ने विजय मंदिर को नुकसान पहुंचाया। हालांकि इन सब के बाद भी मंदिर को सुरक्षित रखने के प्रयास होते रहे। यही कारण था कि मुगल आक्रांता औरंगजेब के दौरान यह मंदिर अपनी विशालता के कारण प्रसिद्ध था। मंदिर का यही वैभव औरंगजेब से न देखा गया और उसने सन् 1682 में तोपों का उपयोग करके मंदिर का बड़ा हिस्सा नष्ट कर दिया। औरंगजेब के इस हमले के बाद मराठा शासकों ने मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य संपन्न कराया।

खजुराहो के मंदिरों से भी विशाल

विजय मंदिर के अवशेषों के अध्ययन से यह जानकारी मिलती है कि यह मंदिर खजुराहो के प्रसिद्ध मंदिरों से भी कहीं अधिक विशाल और समृद्ध था, साथ ही इस मंदिर में की गई नक्काशी भी उस दौर की सर्वश्रेष्ठ कलाकारी मानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि विजय मंदिर की ऊंचाई लगभग 100 थी और यह मंदिर आधा मील इलाके में फैला हुआ था। आज भी मंदिर का जो अवशेष है, वह एक ऊंचे बेस पर स्थापित है। मंदिर में उस दौर की सर्वश्रेष्ठ वास्तुकला की जानकारी मिलती है। मंदिर के दक्षिणी भाग की खुदाई करने पर मुख्य द्वार की विशाल चौखट प्राप्त हुई। इस पर शंख की बहुत सुन्दर कलाकृति उत्कीर्णित की गई है। इसके अलावा जिस चबूतरे पर मंदिर का निर्माण किया गया है, वहाँ पत्थरों पर अनेकों देवी-देवताओं की प्रतिमाएं निर्मित की गई हैं। मंदिरों के स्तंभों को यक्ष की आकृतियों से सुसज्जित किया गया है। मंदिर से सम्बंधित कलाकृतियों में सबसे सुन्दर यहाँ मिला कीर्तिमुख माना जाता है, जिसका प्रदर्शन विदेशों में भी किया जा चुका है। मानव और सिंहों के मुख को उकेर कर जो कलाकृति बनाई जाती है, उसे कीर्तिमुख कहा जाता है और विदिशा के विजय मंदिर में मिलने वाला कीर्तिमुख अपने आप में अद्वितीय माना जाता है। मंदिर में प्राचीनकाल में कृष्णलीला आयोजित किए जाने के अवशेष भी मिलते हैं।

प्रस्तावित संसद भवन से समानता

इस मंदिर शृंखला में मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में स्थित एक ऐसे मंदिर के बारे में बताया गया था, जिसे भारत की तांत्रिक यूनिवर्सिटी कहा जाता था और इसी से प्रेरित होकर अंग्रेज वास्तुविद एडविन के लुटियंस ने 1921-27 के दौरान भारतीय संसद का निर्माण करवाया था। देश के महत्वाकांक्षी सेन्ट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के अंतर्गत अब नई संसद का निर्माण प्रस्तावित है। लेकिन जैसे ही इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत बनाई जाने वाली भारतीय संसद का प्रारूप सबके सामने आया, उसके बाद लोगों की नजर विदिशा के विजय मंदिर की ओर गई। विजय मंदिर को ऊँचाई (एरियल व्यू) से देखने पर प्रस्तावित भारतीय संसद बिल्कुल इसी की तरह दिखाई देती है। दोनों की ही आकृति त्रिभुजाकार है और इस्लामी आक्रमण से पहले विजय मंदिर की ऊंचाई भी लगभग 100 मीटर थी, ऐसे में दोनों संरचनाओं में अद्भुत मेल है।

सन् 1922 के समय मुस्लिमों द्वारा यहां नमाज पढ़नी शुरू कर दी गई

इतिहासकार वर्मा का कहना है कि सन् 1922 के समय मुस्लिमों द्वारा यहां नमाज पढ़नी शुरू कर दी गई और हिन्दुओं द्वारा की जाने वाली पूजा का विरोध प्रारम्भ हो गया। 1947 के बाद से हिन्दू महासभा द्वारा इसे प्राप्त करने के लिए संघर्ष किया गया, जिसके बाद विजय मंदिर को सरकारी नियंत्रण में ले लिया गया और मुस्लिमों के लिए एक नई ईदगाह बनवाई गई।